हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 3 मई 2026

तापमान
अधिकतम 41.1 डिग्री
न्यूनतम 20.4 डिग्री

11 स्टेट वुशु चैम्पियनशिप में प्रताप स्कूल छाया

12 एचएसआईडीसी राई में 33 केवी विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ

30 साल से 'नरक' बना सारंग रोड अंडरपास दूषित पानी और कचरे से शहरवासी बेहाल

अंडरपास की गंदगी ने कारोबार डुबोया दुकानों पर ताले लगने की नौबत

गंदगी और जलभराव से त्रस्त जनता लोग बोले- फोन नहीं उठाते अफसर

कचरे के पहाड़ में फंसी जिंदगी

प्रमोद कुमार, नितेश, ओमप्रकाश और संजय कुमार ने बताया कि समस्या को लेकर जब नगर निगम आयुक्त और अन्य अधिकारियों को सूचना देने के लिए फोन किया जाता है, तो वे कॉल उठाना भी उचित नहीं समझते। उधर, क्षेत्र में लगे कूड़े के ढेरों के कारण बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। कई-कई दिनों तक कचरा नहीं उठाया जाता, जिससे मच्छर-मक्खियां पनप रही हैं। पार्क में आने वाले लोगों और यहां से गुजरने वालों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर के बीचों-बीच स्थित सारंग रोड रेलवे अंडरपास पिछले करीब तीन दशक से लोगों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है। अंडरपास में दूषित पानी का स्थायी जलभराव और आसपास लगे कचरे के ढेर से आमजन को रोजाना आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हल्की बारिश में ही अंडरपास में पानी ओवरफ्लो हो जाता है, जिससे रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है। ऐसे में लोगों को गोहाना रोड फ्लाईओवर से लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 20-30 वर्षों में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी बदले, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। अंडरपास के दोनों ओर कई दिनों से कूड़े के ढेर लगे हैं, जो अब सड़क तक फैल चुके हैं। इससे क्षेत्र में दुर्गंध के साथ मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ रहा है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम अधिकारी शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रहे और फोन तक नहीं उठाते।

बीमारियों का खतरा

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि जलभराव के कारण उनका कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई बार गंदा पानी दुकानों तक पहुंच जाता है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कुछ दुकानदारों ने तो दुकानें बंद करने तक की नौबत बता दी है। गौरतलब है कि वर्ष 1995 में अंडरपास से पानी निकासी के लिए डिस्पोजल पंप लगाया गया था, लेकिन वह भी अब प्रभावी नहीं रहा। सीवरेज लाइनों में लीकेज और पंप की खराबी के कारण समस्या लगातार बनी हुई है। लोगों ने मांग की है कि पुरानी सीवरेज लाइनों को बदलकर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

दुकानदारों का धरना बेअसर, प्रशासन भूला अपने आश्वासन

शहर की इस प्रमुख समस्या का समाधान न होने पर स्थानीय दुकानदारों ने वर्ष 2025 में अपने कामकाज छोड़कर धरना दिया था और सरकार व प्रशासन के खिलाफ रोष जताया था। उस समय निगम अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों को समाधान की उम्मीद जगी थी, लेकिन समय बीतने के साथ प्रशासन अपने वादे भूल गया।दुकानदारों का कहना है कि हर महीने सीवरेज लाइन में लीकेज के कारण अंडरपास में दूषित पानी भर जाता है। लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है और कई बार गंदा पानी दुकानों तक पहुंच जाता है। निकासी की उचित व्यवस्था न होने से मच्छर-मक्खियां पनप रही हैं, जिससे कई दुकानदार बीमार भी हो चुके हैं। दुर्गंध के कारण दुकानों पर बैठना मुश्किल हो गया है और इसका सीधा असर उनके कामधंधे पर पड़ रहा है। कई दुकानदारों के सामने दुकान बंद करने की नौबत आ गई है, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही।

खबर संक्षेप

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को वाहन ने टक्कर मारी

गन्नौर। जीटी रोड पर गढ़ी कला के पास शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई। पानीपत से दिल्ली की ओर जा रहे तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। ओम साईं फिलिंग स्टेशन पर कार्यरत कपिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुजुर्ग सड़क पार कर रहा था, तभी तेज गति से आए वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बुजुर्ग सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रहे अन्य वाहन भी उसके ऊपर से गुजर गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल सोनीपत भिजवाया गया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

अवैध हथियारों सहित दो युवक गिरफ्तार

सोनीपत। जिले में अवैध हथियार रखने के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई थाना कुंडली पुलिस ने नाहरा-नाहरी रोड पर गश्त के दौरान की, जहां संदिग्ध गतिविधि के आधार पर विकास निवासी आरा (बिहार), हाल निवासी नाहरी को काबू किया गया। तलाशी में उसके पास से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दूसरी कार्रवाई में क्राइम यूनिट कुंडली ने खुफिया सूचना के आधार पर कुराड़ बाईपास के पास जयपाल उर्फ जोनी निवासी गांव माजरी, जिला झज्जर को गिरफ्तार किया। उसके पास से भी एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गन्नौर। थाना बड़ी पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अभिनंदन निवासी बेगूसराय (बिहार) के रूप में हुई है। पीड़िता ने 10 अप्रैल को थाना बड़ी में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि आरोपी ने 20 फरवरी से 8 अप्रैल के बीच कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। दोनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और वर्तमान में बड़ी क्षेत्र में काम करते थे। पुलिस ने आरोपी को बिहार के समस्तीपुर से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अधिकारी आरोपी से वारदात स्थल की निशानदेही करवाएंगे।

महिला से मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाशों की बाइक फिसली, गिरफ्तार

■ महिला ने राहगीर की मदद से एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ा, बाद में पुलिस ने आरोपी ने पूछताछ के बाद अन्य दो युवकों को भी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कामी रोड स्थित काली माता मंदिर के पास बाइक सवार तीन युवकों ने एक महिला से मोबाइल झपट लिया। वारदात के बाद भागते समय उनकी बाइक फिसल गई, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए राहगीरों की मदद से एक आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। बाद में पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। ऋषि कॉलोनी निवासी सीमा ने सिविल लाइन थाना की ओल्ड चौकी में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 1 मई की रात करीब 9 बजे वह बस स्टैंड से पैदल घर लौट रही थीं। कामी रोड पर काली माता मंदिर के पास बाइक सवार तीन युवकों ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। कुछ दूरी पर ही उनकी बाइक फिसल गई, जिससे एक आरोपित को मौके पर ही काबू कर लिया गया। पकड़े गए आरोपित की पहचान कबीरपुर बस्ती, बहादुरगढ़ निवासी रवि के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर बाइक कब्जे में ले ली। जांच अधिकारी एएसआई शिवमुनि के अनुसार, रवि से पूछताछ के आधार पर उसके दो साथियों, ढेहा बस्ती निवासी समीर और नितिन को भी दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया है। तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

बाइक फिसलने से आरोपी घायल

भागने के दौरान बाइक फिसलने से आरोपी रवि सड़क पर घिसट गया, जिससे उसके हाथ-पैर में चोटें आईं। पुलिस ने उसे प्राथमिक उपचार दिलाने के बाद आगे की कार्रवाई की।

एडेड कॉलेज के कर्मचारियों को मिलेगा ग्रेड पे बढ़ोतरी का लाभ

सोनीपत। शिक्षामंत्री का आभार जताते कर्मचारी।

सोनीपत। हरियाणा के एडेड कॉलेजों में कार्यरत कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने से खुशी का माहौल है। वित्त विभाग द्वारा 1 सितंबर 2014 से ग्रेड पे संशोधन के तहत 3200/3300 से बढ़ाकर 3600 और 3600 से बढ़ाकर 4000 रुपये किया गया था, जिसका लाभ अब कर्मचारियों को मिल गया है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने 1 मई 2026 को इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी किया। इस निर्णय के बाद हरियाणा प्राइवेट कॉलेज एम्प्लाइज यूनियन के प्रधान बिजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री महीपाल ढांढा से मुलाकात कर आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में सोनीपत सहित विभिन्न जिलों के कर्मचारी शामिल रहे। यूनियन ने इस दौरान मकान किराया भत्ते (एचआरए) को 1 अगस्त 2019 से संशोधित करने की मांग भी रखी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह प्रस्ताव वित्त विभाग के पास विचाराधीन है और इसे जल्द स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

अनुबंधित शिक्षकों के लिए सेवा सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

सोनीपत। हरियाणा यूनिवर्सिटीज कॉन्ट्रैक्टचुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुकटा) के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को विधायक निखिल मदान से पुरानी कचहरी में मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंधित शिक्षकों की जॉब सिक्योरिटी सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। हुकटा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विजय मलिक ने बताया कि हरियाणा के विश्वविद्यालयों में करीब 1400 अनुबंधित सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं, जिनकी सेवा सुरक्षा के लिए प्रस्तावित बिल का ड्राफ्ट लंबित है। उन्होंने विधायक से आग्रह किया कि इस ड्राफ्ट को जल्द मंजूरी दिलाई जाए।

खरखौदा में सीएम फ्लाइंग का छापा, पुलिस ने झोलाछाप को गिरफ्तार किया

डिग्री जीएनएम की, चला रहा था मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

सांपला मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता (सीएम फ्लाइंग) और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी करके बड़े स्तर पर अनियमितताओं को उजागर किया है। कार्रवाई के दौरान अस्पताल बिना वैध अनुमति और योग्य डॉक्टरों के संचालित पाया गया। शिकायत मिलने पर सीएम फ्लाइंग से इंस्पेक्टर राजेश कुमार, सब इंस्पेक्टर जितेंद्र और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से अस्पताल पर दबिश दी।

जांच में सामने आया कि अस्पताल का संचालन गांव पाई निवासी अनिल द्वारा किया जा रहा था, जिसने केवल 12वीं के बाद जीएनएम (नर्सिंग) का कोर्स किया हुआ है। उसके पास अस्पताल संचालन के लिए न तो कोई मान्यता प्राप्त डिग्री थी और न ही कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत किया गया। छापेमारी के दौरान टीम को एक महिला मरीज सांस संबंधी बीमारी के चलते भर्ती पाई गई। मौके पर कोई योग्य डॉक्टर मौजूद नहीं था और मरीजों का इलाज पूरी तरह अनट्रेंड स्टाफ द्वारा किया जा रहा था।

खरखौदा। जांच करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व सीएम फ्लाइंग टीम।

बिना अनुमति के ही चल रही थी लैब : टीम को अस्पताल में पांच अन्य कर्मचारी भी मिले, जिनके पास किसी प्रकार की मेडिकल योग्यता नहीं पाई गई। इसके अलावा अस्पताल परिसर में बिना अनुमति एक लैब संचालित की जा रही थी, जहां विभिन्न प्रकार की जांच की जा रही थीं। कार्रवाई के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर मुंशीराम भी मौके पर पहुंचे। जांच में अस्पताल परिसर में संचालित मेडिकल स्टोर को भी नियमों के विरुद्ध पाया गया। आवश्यक दस्तावेज और लाइसेंस न होने के चलते मेडिकल स्टोर को अवैध बताया गया। टीम द्वारा मौके से संबंधित दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी अनिल को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव | बिजनेस डेस्क

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो क्लेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी भूल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो को नजरअंदाज करना

सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े ब्रांड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संभालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। ईमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी ईमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। याद रखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियों में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

निवेश के लिए सही रणनीति

■ एक बार में पूरी रकम निवेश करने से बचें ■ चरणबद्ध तरीके से निवेश करें (एसआईपी या नियमित खरीदारी) ■ अपने पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें ■ केवल चांदी पर निर्भर न रहें ■ ईटीएफ या डिजिटल सिल्वर जैसे विकल्पों पर भी विचार करें ■ आज के समय में कई निवेशक फिजिकल चांदी खरीदने के बजाय ईटीएफ और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होते हैं।

तकनीकी संकेत क्या कहते हैं?

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, चांदी के कुछ महत्वपूर्ण स्तर सामने आए हैं। अगर कीमतें 2.46 लाख के ऊपर टिकती हैं, तो आगे 2.48 लाख तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, नीचे की ओर 2.35–2.30 लाख का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से गिरावट सीमित हो सकती है, और कीमतें स्थिर होने की संभावना बनती है।

सप्लाई-डिमांड का समीकरण

चांदी के पक्ष में एक और मजबूत फैक्टर इसका सप्लाई-डिमांड बैलेंस है। पिछले कुछ वर्षों से बाजार में सप्लाई की तुलना में मांग अधिक बनी हुई है, जिससे सप्लाई डेफिसिट की स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, चीन जैसे बड़े बाजारों से लगातार मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम इन्वेंट्री भी इस बात का संकेत देती है कि आने वाले समय में कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है।

घबराएं नहीं, आगे बढ़ें

चांदी में आई हालिया गिरावट निश्चित रूप से चिंता पैदा करती है, लेकिन इसे पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, खासकर तब जब किसी एसेट में पहले तेज तेजी देखने को मिली हो। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चांदी अभी भी एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है, बशर्ते निवेश सोच-समझकर और रणनीति के साथ किया जाए।

यह रखें ध्यान

- जल्दबाजी में निवेश से बचें
- गिरावट को अवसर के रूप में देखें, लेकिन जोखिम समझें
- चरणबद्ध निवेश सुरक्षित तरीका है
- पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखें
- निवेश का सही समय वही होता है जब आप सही रणनीति और धैर्य के साथ फैसला लेते हैं।

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी 'गोल्डन' रिटायरमेंट

तैयारी | बिजनेस डेस्क

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खत्म कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासन और धैर्य जरूरी

45 की उम्र में सबसे बड़ा जोखिम 'जल्दी अमीर बनने' की चाह होती है। कई लोग ज्यादा रिटर्न के लालच में गलत निवेश कर बैठते हैं और अपनी पूंजी गंवा देते हैं। इसलिए इस उम्र में निवेश करते समय अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। नियमित निवेश लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी हैं।

वित्तीय ज्ञान बढ़ाना भी जरूरी

सिर्फ निवेश करना ही काफी नहीं है, बल्कि निवेश की समझ होना भी जरूरी है। अच्छी वित्तीय किताबें पढ़ना, विशेषज्ञों की सलाह लेना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करना आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। याद रखें, अमीर बनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है अमीर बने रहना।

समझदारी से मैनेज करें

45 के बाद निवेश का मतलब जोखिम से भागना नहीं, बल्कि उसे समझदारी से मैनेज करना है। यह वह समय है जब आपको अपनी कमाई को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। सही रणनीति, संतुलित पोर्टफोलियो और अनुशासित निवेश के जरिए आप अपने रिटायरमेंट को न केवल सुरक्षित, बल्कि आरामदायक भी बना सकते हैं। आज लिया गया सही फैसला ही आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति देगा।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति
टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी

अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।

ऐसे समझें

- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर: 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मैच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति | बिजनेस डेस्क

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, '10x12x30' के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फार्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है '10x12x30' फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न): औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय): लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. **अनुशासन बनाए रखें** : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. **धैर्य जरूरी है** : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। थाना राई क्षेत्र में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित तस्लीम निवासी सिवाल खास, जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। इस संबंध में 28 अप्रैल को पीड़िता की परिजन ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता, पोक्सो अधिनियम व किशोर न्याय अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान महिला उप निरीक्षक बबली ने टीम के साथ नियमानुसार कार्रवाई करते पीड़िता के बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज करवाए और उसे महिला विशेषज्ञ व लीगल एड के माध्यम से काउंसलिंग भी उपलब्ध कराई।

व्यावसायिक सिलेंडर महंगा, बढ़ेगा बोझ

सोनीपत। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने एलपीजी की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का कड़ा विरोध जताया है। पार्टी के जिला सचिव इंद्र सिंह ने बयान जारी कर कहा कि विधानसभा चुनाव खत्म होते ही केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ा दिए हैं, जिससे कीमत 2078.50 रुपये से बढ़कर 3071.50 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से रेस्तरां, भोजनालय और अन्य व्यवसाय प्रभावित होंगे, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा और बाहर खाना महंगा हो जाएगा। साथ ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है।

नपा कर्मचारी संघ ने भी लंबित मांगों को लेकर 5 तक बढ़ाई हड़ताल

कल नगर निगम कार्यालय के गेट पर ताला जड़ेंगे कर्मचारी

शहर के बाजारों व पांच वार्डों में सफाई का अभाव, दमकल व नपा कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी

सोनीपत। नगर निगम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे दमकल व नपा कर्मचारी संघ के सदस्य।

खरखौदा। अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर प्रदेशभर के अग्निशमन विभाग के नियमित व अनियमित दमकल कर्मचारियों की 8 अप्रैल से चल रही राज्यव्यापी हड़ताल शनिवार को 25वें दिन जारी रही। नगर निगम कार्यालय परिसर में 93 दमकल कर्मियों के साथ नगरपालिका कर्मचारी संघ के सदस्यों ने भी धरना देकर सरकार के प्रति रोष जताया। धरने की अध्यक्षता दमकल यूनियन के जिला प्रधान राजीव खत्री, नपा कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान भारत कंडेरा ने की। लंबित मांगों को लेकर नपा कर्मचारी संघ ने भी सरकार की वायदाखिलाफी व हठधर्मिता के चलते 5 मई तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। उधर शहर के बाजारों व पांच वार्डों में नियमित सफाई नहीं होने से अव्यवस्था का माहौल बनने लगा है।

कर्मचारियों ने मांग की, कि उनकी मांगों पर हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। कर्मचारियों को समान काम समान वेतन मिले, ठेकेदारी प्रथा बंद की जाए। डोर टू डोर के कर्मचारियों को पेरोल करने पर सफाई दरोगा व सेनेटरी इंस्पेक्टर को बाइक के लिए तेल के पैसे लागू किए जाएं, सहित अन्य मांगों पर चर्चा की। दमकल कर्मियों ने बताया कि प्रदेश के अग्निशमन विभाग के नियमित व अनियमित दमकल कर्मचारियों की 8 अप्रैल से चल रही हड़ताल, सरकार की हठधर्मिता के चलते जारी है। 103 दमकल केंद्रों के फायर कर्मचारी प्रदेश के 85 विधायकों को ज्ञापन देकर अपनी मांगों का समाधान व आग का शिकार हुए फायर कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग कर चुके हैं। सरकार के ओर से अब तक उनकी मांग पर सुनवाई नहीं की गई है। कर्मचारी 4 मई सोमवार को नगर निगम कार्यालय का गेट बंद कर ताला जड़ने का काम करेंगे। बाइकों का जत्था लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। धरने में दीपक बोहोत, राजा भाई, अमित दहिया, वीरेंद्र, ओमप्रकाश, विनोद, यशेंद्र, नवीन, अजीत, सुनील, नरेश, देवेंद्र मौजूद रहे।

खरखौदा में सफाई कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

खरखौदा। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका खरखौदा के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नगर पालिका कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार पर मांगों की अनदेखी और भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से सरकार के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद उनकी मांगों का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। सफाई व सीवर कर्मचारियों की नियमित भर्ती वर्षों से नहीं की गई है और ठेका प्रथा के कारण उनका शोषण हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान काम के लिए समान वेतन, ठेका प्रथा समाप्त करने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये करने, मेडिकल सुविधाएं, जोखिम भत्ता सहित अन्य मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

92 लाख से बनेगा डिजिटल लाइब्रेरी और योग केंद्र, 20 लाख की लागत से पक्की होगी फिरनी

हलके के हर गांव का चहुंमुखी विकास प्राथमिकता

- विधायक देवेंद्र कादियान ने खुबड़ू में 1.12 करोड़ के विकास कार्यों की रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

हलके के विकास को गति देने और युवाओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शनिवार को विधायक देवेंद्र कादियान ने गांव खुबड़ू में करीब 1 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का नारियल फोड़कर विधिवकत शिलान्यास किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का फूलमाला से स्वागत किया और विकास कार्यों की सौगात पर आभार व्यक्त किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने बताया कि गांव खुबड़ू में करीब 92 लाख रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक लाइब्रेरी कम योग एवं ध्यानकेंद्र का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा, गांव में पीडब्ल्यूडी मुख्य रोड से लेकर बलराज के घर तक की जर्जर फिरनी का करीब 20 लाख रुपए की लागत से नए सिरे से पक्का निर्माण किया जाएगा। विधायक कादियान ने कहा कि गन्नौर हलके के हर गांव का चहुंमुखी विकास करवाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार के सहयोग से विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर पंचायती राज विभाग के एसडीओ सचिन कुमार, सरपंच प्रतिनिधि प्रवीन कुमार, पूर्व सरपंच मेहर सिंह, ओमप्रकाश, गामड़ा सरपंच गुरमेल, रणधीर पंच, हरिओम, नाहर सिंह मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने विकास कार्यों का नारियल फोड़कर विधिवकत शिलान्यास करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ चेयरमैन एवं स्कूल स्टाफ।

विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमों से जीता दिल

सोनीपत। सर छोटूराम मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रतनगढ़ माजरा में प्री-नर्सरी और नर्सरी के नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स फिएस्टा वेलकम पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल परिसर रंग-बिरंगे कपड़ों और बच्चों की मुस्कान से खुशहाल नजर आया। इस अवसर पर अभिभावकों ने भी बच्चों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। बच्चों ने केक कटिंग में उत्साह से हिस्सा लिया और नृत्य व अन्य गतिविधियों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम का उद्देश्य नए बच्चों को स्कूल के माहौल से परिचित कराना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में चेयरमैन जगदीश लोहचब, प्रबंधक बिमला दहिया, प्राचार्य डॉ. मेहर सिंह आर्या, उप-प्राचार्य अनीता लोहचब और प्राइमरी हेड सरिता मलिक सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। विद्यालय प्रशासन ने अंत में सभी का धन्यवाद किया।

विद्यार्थियों को करियर चयन और यूपीएससी की तैयारी के दिए टिप्स

- ऋषिकुल विद्यापीठ में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ, गोहाना रोड में छात्रों के सर्वांगीण विकास और बेहतर भविष्य निर्माण के उद्देश्य से काउंसलिंग सेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम विद्यालय अध्यक्ष नीरज शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें छात्रों को करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। सेमिनार में मुख्य वक्ता भारत शर्मा रहे। छात्रों को बताया कि अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय का चयन कैसे करें और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल होने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। मेहनत, लगन और सही दिशा में प्रयास को सफलता की कुंजी बताया। भारत शर्मा ने महापुरुषों के उदाहरण देकर बच्चों को प्रेरित किया और प्रकृति से सीख लेने की बात भी कही। सेमिनार के अंत में चंचल और अंजु चौहान ने मुख्य वक्ता और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

ह्यूमन पेपिलेमा वायरस हो जानलेवा : डॉ. निधि

गोहाना। शनिवार को गांव बिधल स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ह्यमन पेपिलेमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और उनके अभिभावकों को इस वायरस के स्वास्थ्य पर पडऩे वाले विपरित प्रभावों के बारे में जागरूक किया और 14-15 वर्ष की लड़कियों को टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया गया। पीएचसी लाठ से डॉ. निधि खरब ने बताया कि ह्यमन पेपिलेमा वायरस सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकता है जो जानलेवा हो सकता है। उन्होंने बताया कि यह टीका पिछले पंद्रह सालों से भारत में लगाया जा रहा है। यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित है।

भैरा बाकीपुर में लगाया सहायता और जागरूकता कैंप, मौके पर समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

गांव भैरा बाकीपुर में एक निजी यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा सहायता एवं जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को छात्रों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। कैंप के दौरान फैमिली आईडी, वोटर कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड व अन्य सरकारी दस्तावेजों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को दस्तावेजों में सुधार, अपडेट प्रक्रिया और आवश्यक औपचारिकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बताया कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाना और लोगों को सरकारी योजनाओं का सही लाभ दिलाना है। सरपंच जयराम शर्मा ने छात्रों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कैंप गांव स्तर पर आयोजित होने चाहिए, ताकि आम लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते कहा कि कैंप के माध्यम से न केवल लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ, बल्कि जागरूक भी किया, जिससे वे भविष्य में अपने कार्य स्वयं करने में सक्षम बन सकें।

राई। यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा लगाया गया सहायता एवं जागरूकता कैंप।

बुजुर्ग का आरोप कई बार गिरकर हो चुके चोटिल

मकान तोड़कर गली से नहीं हटाया मलबा

बीडीपीओ को दी शिकायत, मलबे से प्रभावित हो रहा आवागमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

वार्ड-16 के अंतर्गत आने वाले गांव खेवड़ा के देवन पाना निवासी राज सिंह ने कई महीने से गली में पड़े मलबे को हटवाने के लिए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ), मुरथल को शिकायत दी। राज सिंह ने बताया कि उनकी गली में पड़ोसियों ने कई माह पहले अपना मकान तोड़ा था, लेकिन आज तक गली में फैली ईंटों व मलबे को नहीं हटवाया है। इस संबंध में वह कई बार वार्ड सदस्य व सरपंच के माध्यम से मकान मालिक व अधिकारियों को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि वह 74 वर्षीय बुजुर्ग होने के साथ पैरालिसिस बीमारी से पीड़ित है। गली में फैले मलबे के कारण कई बार ठोकर लगने से गिरकर चोट खा चुके हैं। मलबे के कारण गिरने से उनका हाथ भी टूट चुका है। साथ ही गली में खेलने वाले बच्चों व बुजुर्गों को भी चोट लगने का अंदेशा बना रहता है। राहगीरों व वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। मकान मालिक अनदेखी की शिकायत करने पर झगड़ने को उतारू रहते हैं। राज सिंह ने बीडीपीओ को शिकायत देकर समस्या का जल्द समाधान करवाने की मांग की।

सोनीपत। गांव खेवड़ा के देवन पाना की गली में बीच में पड़ी ईंटें व मलबा।

स्टेट वुशु चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल ने जीते चार पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

दिल्ली राज्य वुशु चैम्पियनशिप में प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते 2 स्वर्ण व 2 रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में वंश (85 किग्रा) और रक्षित (70 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं आरव (65 किग्रा) और दीपेन्द्र (60 किग्रा) ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। विद्यालय के संस्थापक सत प्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, डॉ. दीपिका दहिया तथा वुशु कोच ने खिलाड़ियों को बधाई देते उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्या व डॉ सुबोध ने बताया कि हमारे खिलाड़ियों ने 28 अंतरराष्ट्रीय और 261 राष्ट्रीय पदक जीतकर न केवल विद्यालय, बल्कि देश और राज्य का नाम भी रोशन किया है।

न्यूज डायरी

आइटा टेनिस सीरीज : ओजस सिवाच ने कब्जाई ट्राफी

गोहाना। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (आइटा) द्वारा गुरुग्राम में आयोजित टेनिस सीरीज में गांव मदीना की नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोट्र्स अकादमी के खिलाड़ी ओजस सिवाच ने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पराजित करके ट्राफी (टाइटल) अपने नाम कर लिया। शनिवार को अकादमी पहुंचने पर खिलाड़ी का नागरिक अभिनंदन किया गया। 27 अप्रैल से 1 मई तक गुरुग्राम स्थित एक्सेलेंस अकादमी में राष्ट्रीय टेनिस सीरीज आयोजित की गई। ओजस सिवाच ने इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में कोटा के यहान को 6-0, 6-01 अंक के अंतर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई। ओजस ने फाइनल मुकाबले में नोएडा के प्रशांत को 6-1, 6-4 अंक के अंतर से पराजित करके ट्राफी पर अपना कब्जा कर लिया।

केडी इंटरनेशनल में एचपीवी जागरूकता कार्यक्रम

खरखौदा। केडी इंटरनेशनल स्कूल में सरकारी चिकित्सकों की टीम द्वारा एचपीवी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उद्देश्य विद्यार्थियों और स्टाफ को एचपीवी संक्रमण, लक्षण, बचाव के उपाय तथा टीकाकरण के महत्व के बारे जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि एचपीवी एक सामान्य वायरल संक्रमण है, जो समय पर रोकथाम न होने पर सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। उन्होंने विशेष रूप से किशोरों में स्वच्छता बनाए रखने, जागरूकता बढ़ाने और समय पर टीकाकरण कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने चिकित्सकों से विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विस्तार से उत्तर दिया। स्कूल प्राचार्या तृप्ति नेगी ने चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त किया।

नारद जन्मोत्सव पर 42 छात्रों का मनाया जन्मदिन

गोहाना। गीता विद्या मंदिर विद्यालय, गोहाना में शनिवार को नारद जन्मोत्सव पर 42 विद्यार्थियों का जन्मदिन हवन के साथ मनाया । हवन में गुरु और शिष्यों ने सामूहिक रूप से मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डाली। प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार ने नारद जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते बताया कि यह पर्व भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र, भगवान विष्णु के परम भक्त और तीनों लोकों के प्रथम संदेशवाहक (पत्रकार) देवर्षि नारद के जन्मोत्सव के रूप में ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा/द्वितीया को मनाया जाता है। इस दिन ज्ञान, बुद्धि और भक्ति के लिए नारद की विशेष पूजा और दान किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन शिशु वाटिका प्रमुख सुनीता वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल में मनाया श्रमिक दिवस

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य संदेश "समर्पण को सलाम, योगदान का सम्मान" रहा, जिसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों ने विद्यालय के सहायक कर्मचारियों, सफाई कर्मियों, सुरक्षा गार्ड, माली और ड्राइवर सभी को मंच पर आमंत्रित किया। बच्चों ने अपने हाथों से बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड और फूल देकर सभी का आभार व्यक्त किया। कक्षा 5 की छात्रा अंशिका ने कहा कि श्रमिक दिवस को सेवा सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए क्योंकि किसी भी संस्था में ये लोग सबसे ज्यादा मेहनत करते हैं। विद्यालय के निदेशक अजय यादव ने अपने संबोधन में कहा कि हर मजदूर और कर्मचारी समाज की मजबूत नींव होता है।

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन की टीम तीर्थ यात्रा पर रवाना

सोनीपत। मानव सेवा और संस्कारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने 17 सदस्यों के साथ तीर्थ यात्रा का आयोजन किया। संस्थापक नितिन जैन के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले केदारनाथ धाम पहुंचकर 18 किलोमीटर की कठिन पैदल चढ़ाई पूरी की। कड़ाके की ठंड और लंबी कतार के बावजूद श्रद्धालुओं ने "हर हर महादेव" के जयघोष के साथ दर्शन किए और रात्रि विश्राम कैंप में किया। इसके बाद यात्रा का अगला पड़ाव बद्रीनाथ धाम रहा, जहां सभी सदस्यों ने भगवान विष्णु के दर्शन कर आत्मचिंतन के क्षण बिताए। पूरी यात्रा के दौरान सदस्यों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए सेवा और एकता का परिचय दिया। वापसी में टीम ऋषिकेश होते हुए रविवार तक अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। इस अवसर पर डॉ मीनू अग्रवाल, शारदा रेलन, जेडी, चिराग, प्रिंस, मोक्ष और दिव्यम सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

छात्रों ने ईमानदारी से दायित्व निभाने का संकल्प लिया

खरखौदा। गुरुकुल मटिंडू में इनवेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक कुमार धतरवाल, डिप्टी डायरेक्टर, हॉर्टिकल्चर व अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इस समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व, जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को विकसित करना था। अवसर पर चारों सदनों-कृष्णा, गंगा, साबरमती और ब्रह्मपुत्र के कैप्टन और वाइस कैप्टन के साथ-साथ स्कूल कैप्टन और स्कूल वाइस कैप्टन को प्राचार्या ज्योति मलिक द्वारा उन्हें पदों की शपथ दिलाई । छात्रों ने ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्व निभाने का संकल्प लिया। हेड बॉय और हेड गर्ल को स्कूल का ध्वज सौंपकर उन्हें कर्तव्यों की जिम्मेदारी सौंपी। मुख्य अतिथि ने कहा कि छात्रों को सच्चे नेतृत्व के गुण अपनाने चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए।

सहायक कर्मचारियों का सम्मान कर जताया आभार

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मजदूर दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हाउसकीपिंग, सुरक्षा, माली और रखरखाव कर्मचारियों सहित सभी सहायक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। स्कूल प्रशासन की ओर से सभी कर्मचारियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस दौरान प्राचार्या डॉ. किरण दलाल ने कहा कि सहायक कर्मचारी स्कूल के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके बिना सुरक्षित व अच्छा वातावरण संभव नहीं है। उन्होंने सभी से इन कर्मचारियों का सम्मान करने की अपील की।

वेद पुराण के प्रकांड विद्वान थे देवऋषि नारद : डांगी

सोनीपत। गोहाना रोड सोनीपत स्थित तिरंगा चौक पर शनिवार को आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के सदस्यों ने देवऋषि नारद की जयंती मनाई। जिसमें मुख्य अतिथि गोहाना से पहुंचे मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह डांगी ने कहा देव ऋषि नारद ब्रह्मा जी के मानस पुत्र और भगवान विष्णु के परम भक्त थे। वे वेद पुराण, व्याकरण ,ज्योतिष और योग के प्रकांड विद्वान थे। नारद जी को तीनों लोकों स्वर्ग - पृथ्वी - पाताल में निर्बाध रूप से भ्रमण करने की शक्ति प्राप्त है, वे सूचनाओं के आदान-प्रदान समाचार के लिए सबसे प्रसिद्ध है। जयंती समारोह की अध्यक्षता मोर्चे की सोनीपत जिले की इकाई के सदस्य जयपाल भनवाला ने की उन्होंने कहा देव ऋषि नारद संतो और भक्तों के मार्गदर्शक हैं, जो संसार के मोह माया से ऊपर उठकर ईश्वर में ध्यान लगाने का संदेश देते हैं। इस मौके पर संजय पांचाल, भोपाल सिंह दहिया, सतवीर सिंह दहिया, धन सिंह प्रजापति तथा अशोक कश्यप आदि मौजूद रहे।

मजदूरों के सम्मान के साथ उनके अधिकारों पर भी हुआ मंथन

सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर टीडीआई रॉयल स्पेनिया में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन मास्टर रविन्द्र वत्स के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें मजदूरों के योगदान को सराहा गया और उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मजदूर समाज की रीढ़ होते हैं और उनके परिश्रम से ही विकास की नींव मजबूत होती है। इस अवसर पर मजदूरों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई और उन्हें सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में आदेश, अश्वनी पाराशर, जगदीश रॉय (प्रधान), राजेश अंतिल (उप प्रधान), राजेश कुमार (डीपी), विकास भारद्वाज, चांदराम शर्मा और सुशील कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

PUBLIC NOTICE

Regarding Plot No.2259, Industrial Model Township Kharkhoda (Sonipat) measuring 450 sq. Mtrs. was allotted by the Corporation under land pooling scheme in favour of Ranbir @ Ranbir Singh S/o Sh. Deep Chand Pawar vide Regular Letter of Allotment No.HSIIDC:Estate: Kharkhoda:2020:542 dated 14.09.2020. The Corporation has been informed that original allottee namely Sh. Ranbir Singh had expired on 01/04/2025 and he had left behind only the following legal heirs with the applicant land owner to be indicated: (a) Mrs. Tara Devi (wife) (b) Mrs. Suman Rathi (Daughter) (c) Mrs. Sonia (Daughter) (d) Mrs. Madhu (Daughter) (e) Mrs. Seema (Daughter). They have approached the Corporation for the transfer of entire allottee rights of the said plot to/in their favour with equal ratio. The allottee had died intestate and Surviving Member Certificate issued by the competent Authority. He has left no WILL. The Corporation is in process of considering their request and transferring the said rights of plot of late Sh. Ranbir Singh to/in their favour of (a) Mrs. Tara Devi (b) Mrs. Suman Rathi (c) Mrs. Sonia (d) Mrs. Madhu (e) Mrs. Seema with equal ratio. Through this public notice, it is here by informed that any person having reservation/objection to said transfer may file his/her objection in writing before the undersigned at HSIIDC office Kharkhodaalong with an affidavit within a period of 30 days from the date of publication of this notice. In case no response is received within the aforesaid period, it will be presumed that no one has any objection to the transfer of the captioned plot and the Corporation shall go ahead with the transfer of Plot in their favour as per the provisions of EMP-2015.

The Estate Manager
On behalf of HSIIDC Ltd.
Branch Office, IMT Kharkhoda,
District Sonipat

खबर संक्षेप

कबूतरबाजी से ठगी करने का आरोपी काबू

गन्नौर। थाना गन्नौर पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधडी व ठगी की घटना मे संलिप्त आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित विक्की गांव लल्हेड़ी खुर्द का रहने वाला है। जानकारी अनुसार 15 जुलाई को गांव भौरा रसूलपुर के साहिल ने थाना गन्नौर में शिकायत दी कि उसकी मुलाकात जिम में विक्की से हुई, जिसने विदेश भेजने का झांसा दिया। विक्की के माध्यम से साहिल व सन्नी की मुलाकात संदीप व नरेंद्र से हुई। आरोप है कि विक्की, संदीप, नरेंद्र व अमित नाम के व्यक्तियों ने उसे न्यूजीलैंड व अमेरिका भेजने का झांसा देकर करीब 28-30 लाख रुपये ठग लिए। जिन्होंने उनको पहले केरल, फिर इथोपिया होते हुए अवैध रूप से विभिन्न देशों से मैक्सिको तक पहुंचाया।

कार से टक्कर मारने के मामले में तीन गिरफ्तार

गन्नौर। थाना बड़ी पुलिस ने कार द्वारा सीधी टक्कर मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित राहुल उर्फ पीटर गांव गुमड़, नवीन उर्फ सरपंच गांव चिरस्मी हाल हरिनगर कालोनी व रितिक शास्त्री कालोनी, सोनीपत का रहने वाला है। जानकारी अनुसार 1 मई को बड़ी गांव के आनंद ने थाना बड़ी मे शिकायत दी थी कि 30 अप्रैल को वह अपने घर पर मौजूद था। इस दौरान बड़ी गांव का रोहित व उसके साथ गन्नौर का प्रिंस, शास्त्री कालानी सोनीपत का रितिक, नवीन उर्फ सरपंच, अमित उर्फ काली व दो अन्य व्यक्ति उसके घर पर ईंट मारते हुए घूस गए और उसके साथ झगड़ने लगे।

मकान का ताला तोड़कर जेवर व नकदी किए चोरी

खरखौदा। शहर की महावीर कॉलोनी वार्ड नंबर 7 में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बेदो देवी अपने बेटे से मिलने 29 अप्रैल को दिल्ली गई हुई थीं। इसी दौरान चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखी नकदी व जेवरात चोरी कर लिए। पीड़िता को घटना की जानकारी 1 मई की शाम करीब 7 बजे पड़ोसियों से मिली। जब उन्होंने घर पहुंचकर देखा तो कमरे का ताला टूटा हुआ था और अलमारी से करीब 60 हजार रुपये नकद, सोने की तीन अंगूठियां, एक सोने का लॉकेट, कानों की झुमकी, एक छोटी सोने की चेन तथा करीब 350 ग्राम चांदी के आभूषण पाजेब व तांगड़ी गायब मिले।

मिशन बुनियाद : मेधावी छात्रों की नई उड़ान, नीट-जेईई की फ्री तैयारी का मौका

उत्तीर्ण 173 में से 146 विद्यार्थियों को काउंसिलिंग के बाद अलॉट हुए केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार मिशन बुनियाद के तहत तीसरे चरण की परीक्षा में उत्तीर्ण जिले के 173 विद्यार्थियों के लिए शनिवार को मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में बनाए गए केंद्र पर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चली काउंसिलिंग प्रक्रिया में विद्यार्थियों की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) जमा करने के साथ दस्तावेजों की जांच कर उन्हें आसपास के केंद्र अलॉट किए गए। काउंसिलिंग में चयनित 173 विद्यार्थियों में से 146 ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर दस्तावेज जमा करवाएं, जबकि अनुपस्थित रहने वाले 27 विद्यार्थियों को 5 मई तक का अवसर दिया गया है। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि काउंसिलिंग प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों व माता-पिता के दस्तावेजों की जांच की गई। काउंसलिंग प्रक्रिया के बाद विद्यार्थियों को उनके आसपास के लगते बुनियाद केंद्र आवंटित किए गए, जहां से उन्हें आगे की तैयारी करवाई जाएगी। फिलहाल दाखिले से वंचित चयनित विद्यार्थी 5 मई तक अपने घर के आसपास लगते बुनियाद केंद्रों पर दाखिला पा सकते हैं। इसके बाद अगर केंद्रों पर सीटें बचती हैं, तो जिले में वेटिंग लिस्ट में रखे गए 98 विद्यार्थियों को दाखिले का मौका दिया जाएगा।

सोनीपत। मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में काउंसिलिंग प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों से पूछताछ करते नियुक्त टीम।

जिले में 4454 विद्यार्थियों ने करवाया था पंजीकरण

मिशन बुनियाद योजना के तहत 26 दिसंबर 2025 को जिले में 4454 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 3527 ने प्रथम चरण की परीक्षा दी थी। 21 जनवरी को जारी किए गए प्रथम चरण के परीक्षा परिणाम में कुल 1235 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद 1113 विद्यार्थियों ने 26 फरवरी को दूसरे चरण की परीक्षा में भाग लिया था। तीसरे पड़ाव के बाद जिले में 173 विद्यार्थियों को केंद्रों पर दाखिला लेने के लिए चयनित किया गया है, जबकि 98 विद्यार्थियों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है।

किस केंद्र पर कितने विद्यार्थियों को मिला दाखिला

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गन्नौर	14
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना	43
राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, मॉडल टाउन, सोनीपत	41
राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बीसवांमील	48
कुल चार बुनियाद केंद्रों पर दाखिला पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	146

छात्रों की संख्या बढ़ी तो खुल सकता है 5वां केंद्र

मिशन बुनियाद के तीसरे चरण की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जिले के 173 में से 146 विद्यार्थियों की काउंसिलिंग प्रक्रिया के बाद चार जगह केंद्र अलॉट कर दिए गए हैं। ब्लॉक खरखौदा में 5वां बुनियाद केंद्र बनाया जाना प्रस्तावित है। फिलहाल खरखौदा के लिए 9 विद्यार्थियों के ही दाखिले सामने आए हैं। अगर विद्यार्थियों की संख्या में 30 संख्या तक इजाफा होता है, तो खरखौदा में नया बुनियाद केंद्र शुरू करवाया जाएगा।

*-**नवीन गुलिया**, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत*

मुफ्त कोचिंग के साथ मिलेंगी कई सुविधाएं

मिशन बुनियाद का उद्देश्य राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव मजबूत करना है। इस योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की दो वर्ष की निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाती है, ताकि वह प्रारंभिक स्तर से ही अपनी मजबूत तैयारी कर सकें। विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध करवाने के साथ प्रत्येक विद्यार्थी को टैबलेट प्रदान किए जाने का भी प्रावधान रखा गया है। वहीं ऑफलाइन कक्षाओं के लिए डिजिटल टीवी सेट की व्यवस्था की गई है। साथ ही विद्यार्थियों को ड्रेस, किताबें व यात्रा भत्ता भी मुहैया करवाया जाता है,।

राई। संस्थान की प्रेरणास्रोत रेणु गुप्ता का संस्थान में कार्यक्रम के दौरान।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नाट्य प्रस्तुति से जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को मंच पर किया जीवंत

राई। रेणु विद्या मंदिर में संस्थान की प्रेरणास्रोत रेणु गुप्ता का 50वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह का आयोजन सुशील गुप्ता ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भावपूर्ण नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से रेणु गुप्ता के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया और तालियों की गूंज से पूरा सभागार गूंज उठा। संस्थान के चेयरमैन नानक चंद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि रेणु गुप्ता का जीवन साहस, संकल्प और सकारात्मक सोच की अद्भुत मिसाल है। दिव्यांग होने के बावजूद रेणु ने जिस आत्मबल और इच्छाशक्ति का परिचय दिया, वह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। संस्थान की डायरेक्टर ध्वनि गुप्ता ने कहा कि संस्थान रेणु गुप्ता के आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। यह आयोजन केवल जन्मदिन का उत्सव नहीं रहा, बल्कि एक प्रेरणादायक जीवन यात्रा, समर्पण और सामाजिक सेवा के सम्मान का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने सभी के हृदय पर गहरी छाप छोड़ी। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक मौजूद थे।

9000 वेतन पर भड़के मजदूर हड़ताल पर बैठे

खरखौदा। थाना क्षेत्र के गांव महीपुर के पास स्थित डेको टेक इलैक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड में मजदूरों ने वेतन वृद्धि और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। फैक्ट्री में कार्यरत करीब 150 कर्मचारियों में से लगभग 100 मजदूर सोनीपत रोड के किनारे एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें 8 घंटे की ड्यूटी के बदले मात्र 9000 रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है, जो हरियाणा सरकार के न्यूनतम वेतन नियमों के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा फैक्ट्री में पीने के पानी की गुणवत्ता खराब होने और अन्य जरूरी सुविधाओं की काफी कमी है। प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना है कि उन्हें महीने में कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं दिया जाता और यदि कोई छुट्टी लेता है तो उसका वेतन काट लिया जाता है।

समाज के सहयोग से दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाया जा सकता है : सोनू

गोहाना। कार्यक्रम में ग्रामीणों को करते हुए कॉलेज की टीम।

गोहाना। डीबीएम स्पेशल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मदीना द्वारा गांव आहुलाना में सामुदायिक आधारित पुनर्वास (सीबीआर) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच, गणमान्य व्यक्तियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दिव्यांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। विशेषज्ञ परमजीत एवं सोनू ने ग्रामीणों को दिव्यांगता के विभिन्न प्रकार, उसके कारण, प्रारंभिक पहचान, उपचार एवं पुनर्वास की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र हस्तक्षेप एवं सही मार्गदर्शन से दिव्यांग बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार संभव है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा गांव में घर-घर जाकर सर्वे करके यह जानकारी एकत्र की गई कि गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में कोई दिव्यांग बच्चा या व्यक्ति है या नहीं। जिन परिवारों में दिव्यांग बच्चे पाए गए, उन्हें उचित मार्गदर्शन, परामर्श तथा उपलब्ध शैक्षिक एवं चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के अधिकार, समावेशी शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि समाज के सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण से दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाया जा सकता है।

केवल भाषणों में होता है भाजपा का विकास धरातल पर जनता परेशान : कमल दिवान

- कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान ने जनसंपर्क कर गिनाईं सरकार की विफलताएं, कागजी विकास का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी एवं शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि भाजपा केवल भाषणों में विकास की बात करती है। शहर की कालोनियों में सीवरेज सफाई, नई गलियां बनाने और स्ट्रीट लाइट लगाने के नाम पर करोड़ों रुपये के बिल कागजों में पास कर दिए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। आज भी शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। कमल दिवान शनिवार को विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क अभियान चलाकर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। लकमल दिवान ने कच्चे क्वार्टर में डोर-टू-डोर जनसंपर्क किया और देव नगर की गली नंबर 7 (वार्ड-16) सहित गढ़ी ब्राह्मण स्थित सिद्धार्थ मार्बल वाली गली (वार्ड-21) में प्रचार किया। इस दौरान उनके साथ रोहतक विधायक भारत भूषण बतरा और नूंह के विधायक आफताब अहमद, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया और पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार मुख्य रूप से मौजूद रहे। दिवान ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव से पहले जनता को लुभावने सपने दिखाकर वादे तो कर देती है, लेकिन सत्ता में आते ही अपने वादों से मुकर जाना इसकी फितरत बन चुकी है। उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर कहा कि हाल ही में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 995 रुपये की भारी वृद्धि की गई है। इसका सीधा असर व्यापारियों और आम जनता की जेब पर पड़ेगा। सरकार का यह कदम मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ने वाला है। अभियान के तहत सेक्टर-23 स्थित हाउस नंबर 890 के सामने त्रिकोणीय पार्क (वार्ड-19), बाबा कालोनी (वार्ड-10) और कोट मोहल्ला (वार्ड-2) में जनसभाएं आयोजित की गईं। इसके पश्चात हुडा पार्क सेक्टर-14 (वार्ड-13) में आयोजित कीर्तन महोत्सव में भी शिरकत की गई। इस अवसर पर जयवीर आंतिल, प्रेम रेलन, ओमप्रकाश मुंजल, राजेश मिडडा, राजेश सेवली अंकित मेहता सनुज छाबड़ा कमल हसीजा और मनीष तनेजा सहित स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

सोनीपत। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान साथ में पूर्व विधायक सुरेन्द्र पंवार एवं अन्य।

सड़कों, फुटपाथ, ग्रीन बेल्ट्स एवं टाइलों के कार्यों पर खर्च होंगे 190 करोड़ : जैन

भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन ने जारी रखा जनसंपर्क अभियान

सोनीपत। जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों के बीच पहुंचें भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन साथ में विधायक निखिल मदान एवं अन्य।

सोनीपत। भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने शनिवार को जनसंपर्क अभियान के तहत रंगोली पार्क सेक्टर-16, तिरंगा पार्क सेक्टर-12, इंडस्ट्रियल एरिया पार्क, विकासपुरी, कबीरपुर रोड, आर्य नगर कम्युनिटी सेंटर, जोगी धर्मशाला रोहतक रोड, न्यू कॉलोनी, पीपल वाली गली प्रभु नगर, अग्रसेन भवन सेक्टर-14, अपेक्स ग्रीन कमासपुर, वार्ड-9 में एससी चौपाल जगदीशपुर पहुंचकर वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि अगले पांच सालों में सोनीपत नगर निगम क्षेत्र में सड़क व शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर हमार विशेष जोर रहेगा। शहर की सड़के चकाचक होंगी। सोनीपत शहर के सभी सेक्टरों की 50 किमी मुख्य सड़कों, फुटपाथ, ग्रीन बेल्ट्स एवं टाइलों के कार्यों पर 190 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शहर वासियों को पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए 80 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक मल्टी - लेवल पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर विकास और उन्नति के पथ पर अग्रसर है। आज भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है और देश विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जैन ने वार्ड- 3 में मुरथल रोड पर, वार्ड- 5 के अंतर्गत शुभम गार्डन मुरथल रोड पर तथा मलिक बैडमिंटन एकेडमी में लोगों से चर्चा की। इन कार्यक्रमों के दौरान संजय वर्मा, प्रधान जोगेंद्र, ईश्वर, आजाद सिंह सौदा, कविता दहिया, जगबीर छिक्कारा, विक्की, पवन, भोपाल त्यागी, राकेश बंसल, दक्ष गुप्ता, अरुण धार, यशधीर, धर्मबीर, रामकुमार धीमान, विनोद गुप्ता, रामनिवास, धर्मपाल, किशोर वशिष्ट, बबिता दहिया, पवन अग्रवाल, नरेंद्र धीमान आदि मौजूद रहे।

सैनी सरकार स्वच्छ, सुंदर शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध : पूनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निकाय चुनाव को लेकर शुक्रवार देर शाम तक भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने जिला चुनाव समिति की बैठक ली। बैठक में कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचे और भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में शत प्रतिशत मतदान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि सोनीपत की जनता विकास चाहती है और भाजपा सरकार ने हमेशा जनहित को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र प्रदेश के विकास का रोडमैप है, नायब सैनी सरकार संकल्प पत्र के हर वादे को संकल्पित होकर पूरा करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब विकास के रास्ते को चुन चुकी है और हरियाणा को कांग्रेस मुक्त बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जो कहा, वह करके दिखाया है और आगे भी विकास की यह यात्रा जारी रहेगी। इस दौरान संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, मंत्री कृष्ण लाल पंवार, जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मलिक, विधायक निखिल मदान, विधायक कृष्णा गहलावत, विधायक देवेंद्र कादियान, विधायक पवन खरखौदा, पूर्व मंत्री कविता जैन सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

वार्ड नं. 2 में सात लाख रुपये से होगा गली का निर्माण

गोहाना। नगर परिषद द्वारा वार्ड नं. 2 में इंटरलॉक टाइलों से गली को पक्का करवाया जाएगा व दूषित पानी की निकासी के लिए गली के दोनों तरफ पाइप दबाए जाएंगे। इस निर्माणकार्य पर 7 लाख रुपये खर्च होंगे। नगर परिषद चेयरपर्सन रजनी विरमानी द्वारा नारियल फोडक़र शनिवार को गली निर्माणकार्य का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि शहर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस गली का निर्माण क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद मनीषा सुनील कुमार देवी ने की। इस अवसर पर सुनील, हरिसिंह रायका, इंद्र, राजेंद्र, रमेश, हीरालाल, धीरा कश्यप, लच्छी राम, सतीश वाल्मीकि, नरेंद्र, जगमंदर, अमित, सुनील, सोमबीर, कृष्णा, निर्मला, मोनू, निशा व सीनू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

छात्र कुलजीत हेड ब्वॉय व छात्रा वंदना हेड गर्ल चयनित

जेकेआर पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद अलंकरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में महम मार्ग स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को छात्र परिषद अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया अध्यक्षता स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने की और संयोजन प्राचार्य महेंद्र पाराशर का रहा। नवगठित परिषद के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

छात्र परिषद में कक्षा 12वीं के छात्र कुलजीत को हेड ब्वॉय और छात्रा वंदना को हेड गर्ल चुना गया। इनके अलावा स्कूल के चारों सदनों से चैंपियन भी चयनित किए गए। इनमें जूपिटर सदन से शौर्य व साक्षी, अर्थ सदन से सिमरन व अंश, मार्क्स सदन से वेशिका व प्रिंस, यूरेनस सदन से अक्षित व हंसिका सदन चैंपियन चयनित हुए। क्लब चैंपियन की सूची में शैक्षणिक से क्लब योगेश्वर व निधि, साहित्यिक क्लब से कुणाल व दिव्यांशी, इको क्लब से कृष्ण व अंशु, लीगल क्लब से पुलकित व भूमि, हेल्थ क्लब से अक्षित व सिमरन, आर्ट क्लब से तान्या व विवेक शामिल रहे। परिषद के नवचयनित प्रतिनिधियों को निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने की शपथ दिलाई गई व बैज लगाकर सम्मानित किया।

गोहाना। परिषद के नवचयनित पदाधिकारी पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एचएसआईडीसी राई में 33 केवी विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ, मिलेगी निर्बाध बिजली आपूर्ति

- लगभग 9 करोड़ की लागत से तैयार उपकेंद्र, ओवरलोडिंग की समस्या होगी खत्म
- एसडीओ रविंदर पवार ने किया शुभारंभ, सोमवार से ट्रांसफार्मरों पर लोड होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

एचएसआईडीसी फेज-1, राई में शुक्रवार को 33 केवी के नए विद्युत उपकेंद्र का बिजली विभाग के एसडीओ रविंदर पवार व राई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रधान राकेश छाबड़ा ने विधिवत शुभारंभ किया गया। एसडीओ रविंदर पवार ने कहा कि लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस उपकेंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के उद्योगों और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। फिलहाल उपकेंद्र को प्रारंभिक रूप से चालू कर दिया गया है, जबकि आगामी सोमवार से दोनों ट्रांसफार्मरों पर लोड डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उपकेंद्र के चालू होने के बाद एचएसआईडीसी राई क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही ओवरलोडिंग की समस्या से निजात मिलेगी राई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रधान राकेश छाबड़ा ने कहा कि यह उपकेंद्र क्षेत्र के उद्योगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसके लिए संबंधित विभाग और अधिकारियों का आभार भी जताया। इस मौके पर राई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन और अन्य औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ ओमपाल जेई, अमित, कुलदीप व महिपाल (लाइनमैन), प्रमोद (लाइनमैन) सुरेंद्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

राई। बिजली विभाग के एसडीओ रविंदर पवार व राई इंडस्ट्रियल एसो. के प्रधान राकेश छाबड़ा शुभारंभ करते हुए।

मुरथल विवि के कार्यालय अधीक्षक ने गलत तरीके से रिटायरमेंट देने का लगाया आरोप

सोनीपत। मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कार्यालय अधीक्षक आनंद कुमार ने अपनी मांगों को लेकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्य राज्य आयुक्त को पत्र लिखा। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय में दुर्भावना के तहत 70 प्रतिशत दिव्यांगजन पर हो रहे अन्याय का संज्ञान लेकर उन्हें जल्द न्याय दिलवाया जाए। ऐसा करने वालों के खिलाफ दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाए। आनंद कुमार ने पत्र की एक-एक प्रति राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री को भी भेजी है। आनंद कुमार का आरोप है कि कुलपति ने मेरे आचरण व कंडक्ट की जांच में अपने चहेते कमेटी मैंबर लगाकर सरकार की नियमावली व सूची के बाहर के लगाए हैं। वह ऐसा करके मुझे गलत व दोषी साबित कराकर विवि के 70 प्रतिशत दिव्यांग कर्मठ कर्मचारी को नौकरी से निकालने कीतैयारी कर रहे है। यह पूर्णतया अमानवीय, गैरकानूनी, सत्यों से परे व न्यायसंगत है। उन्होंने अगली एग्जीक्यूटिव कौंसिल के लिए मेरी कंपलसरी रिटायरमेंट का एजेंडा बनवा लिया है। अगली बैठक में कुलपति अपने चहेते मैंबरों से पास करवाकर मुझे कंपलसरी रिटायरमेंट दे देंगे। यदि ऐसा हुआ तो मैं स्वयं के साथ अपने परिवार को लेकर सामूहिक आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाऊंगा। इसकी सारी जिम्मेदारी कुलपति की होगी। विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से ऐसा करके मुझे हीनता का बोध कराया जा रहा है, जबकि मैं स्वाभिमान सहित अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहता हूं।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिग्नल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

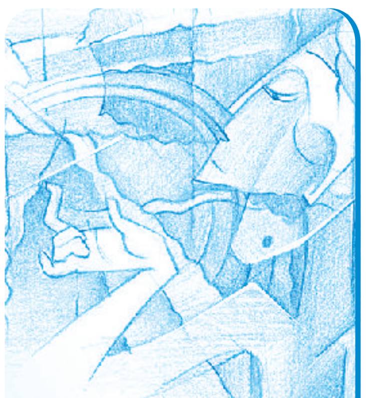

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

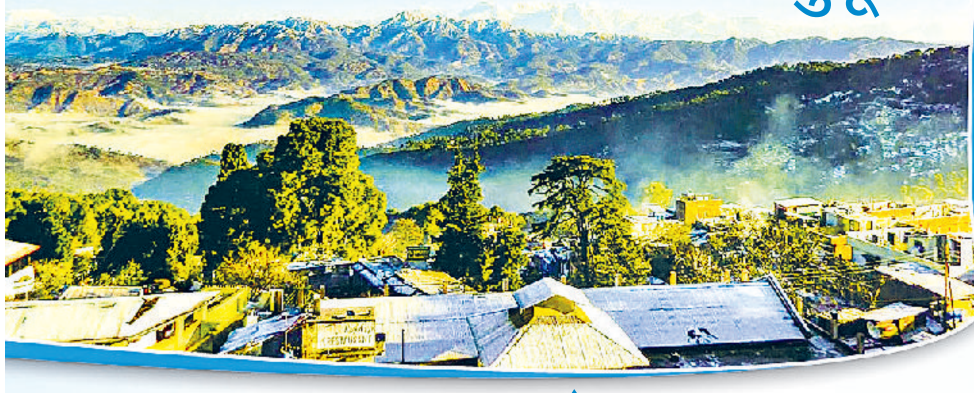

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

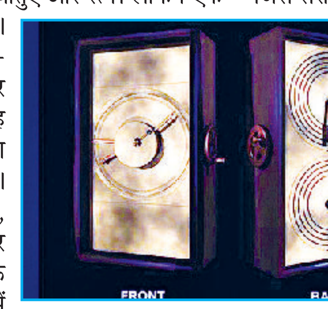

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट
अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

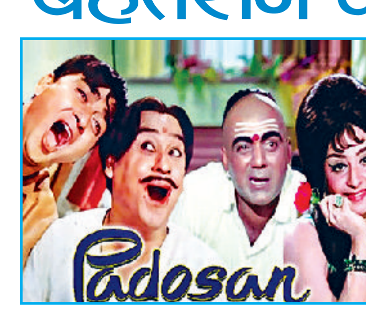

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

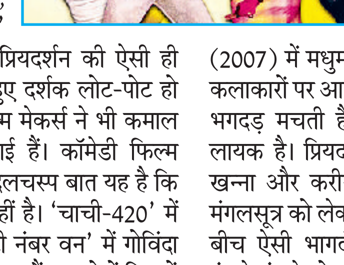

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *